



गाँधी टॉक्स का ट्रेलर रिलीज

जी स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत और क्वोरियस डिजिटल प्राइवेट लिमिटेड, पिंभूम मेटा स्टूडियोज तथा मूवी मिल एंटरटेनमेंट के सहयोग से बनी फिल्म गाँधी टॉक्स का ट्रेलर रिलीज हो गया है।

जहाँ आज का अधिकांश सिनेमा शोर और तमाशे से भरा हुआ है, वहीं गाँधी टॉक्स संयम और आत्मविश्वास के साथ सामने आती है। यह ट्रेलर बिना संवाद बोले बहुत कुछ कह जाता है। विजय सेतुपति, अरविंद स्वामी, अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ जाधव जैसे दमदार कलाकारों से सजे इस फिल्म के ट्रेलर में आंतरिक संघर्ष और बिना शब्दों की अभिव्यक्ति की झलक मिलती है। यहाँ संवादों की जगह अभिव्यक्ति और उपस्थिति कहानी का केंद्र बनती है।

विजय सेतुपति ने कहा, 'गाँधी टॉक्स ने मुझे बिना शब्दों के भाव व्यक्त करने को चुनौती दी। यह एक दुर्लभ फिल्म है, जहाँ मौन ही सबसे ताकतवर संवाद बन जाता है।'

अरविंद स्वामी ने कहा, 'एक ऐसी दुनिया में जो शोर से भरी है, गाँधी टॉक्स हमें याद दिलाती है कि खामोशी अब भी आत्मा को झकझोर सकती है। इस फिल्म में शब्द पीछे हट जाते हैं और सच चुपचाप सामने आ जाता है। रहमान का संगीत इसकी भाषा बन जाता है।'

अदिति राव हैदरी ने कहा, 'इस फिल्म में मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित किया कि भावनाओं को बोला नहीं, महसूस किया जाता है। यह फिल्म संवेदनशीलता और खामोशी को एक साथ बहुत खूबसूरती से जीने देती है।'

किशोर पांडुरंग बेलेकर द्वारा निर्देशित गाँधी टॉक्स को ए. आर. रहमान के प्रभावशाली संगीत और बैकग्राउंड स्कोर का सशक्त सहारा मिला है।

ऋचा चड्ढा नॉन-फिक्शन ट्रेलर और कल्चर सीरीज को करेंगी प्रोड्यूस

लौवुड अभिनेत्री और निर्माता ऋचा चड्ढा एक नए और रोमांचक प्रोजेक्ट के साथ अपनी क्रिएटिव दुनिया को आगे बढ़ा रही हैं। ऋचा चड्ढा एक नॉन-फिक्शन सीरीज को प्रोड्यूस करने जा रही हैं, जो यात्रा, संस्कृति और लोगों एवं जगहों से जुड़ी कहानियों पर आधारित होगी। अपने बेबाक और अर्थपूर्ण कहानी चयन के लिए जानी जाने वाली ऋचा इस सीरीज के जरिए एक नए क्षेत्र में कदम रख रही हैं, जहाँ असली अनुभवों और सांस्कृतिक खोज का मेल होगा।

यह सीरीज बतौर क्रिएटर नॉन-फिक्शन स्पेस में ऋचा चड्ढा की एंटी को दर्शाती है और एक अभिनेत्री से आगे बढ़कर एक मल्टी-टैलेंटेड फिल्म पर्सनैलिटी के रूप में उनके सफर को और मजबूत करती है। यह शो भारत की समृद्ध संस्कृति, अलग-अलग समुदायों, परंपराओं और लोगों के जीवन अनुभवों की एक दिलचस्प झलक पेश करेगा, जिसमें ऋचा की गहरी समझ और

संवेदनशील नजर साफ दिखाई देगी।

ऋचा हमेशा से मजबूत और असरदार कहानियों का समर्थन करती रही हैं और वह फिक्शन के साथ-साथ नॉन-फिक्शन में भी नए प्रयोग करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उनकी पहली प्रोडक्शन फिल्म गार्ल्स विल बी गार्ल्स को

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी सराहना और पहचान मिली थी, जो उनके ईमानदार और बेबाक स्टोरीटेलिंग के विज्ञान को दर्शाती है। इस नई सीरीज के साथ वह अपने क्रिएटिव दायरे को और आगे बढ़ाना चाहती हैं।

ऋचा चड्ढा ने इस नए क्रिएटिव चेंप्टर पर बात करते हुए कहा, 'मेरा हमेशा से मानना रहा है कि कहानियाँ हर जगह होती हैं - लोगों में, जगहों में और उन संस्कृतियों में, जिन्हें हम अक्सर समझने के लिए रुकते ही नहीं। इस नॉन-फिक्शन सीरीज के जरिए मैं उस दुनिया को जिज्ञासा और संवेदना के साथ देखना चाहती हूँ, एक कलाकार के रूप में खुद को लगातार परखना, आगे बढ़ना और नए प्रयोग करना बहुत जरूरी है।'

गार्ल्स विल बी गार्ल्स बतौर निर्माता मेरा पहला कदम था और यह नई सीरीज उसी दिशा में एक और रोमांचक छलांग है। मैं यात्रा, विरासत और मानवीय जुड़ाव से जुड़ी सच्ची कहानियों को सामने लाने के लिए उत्साहित हूँ, कौविड की दूसरी लहर के दौरान कई दूरियों के साथ मैंने इस तरह के कॉन्टेंट का एक छोटा सा अनुभव भी किया था, इसलिए मुझे पूरा विश्वास है कि यह सीरीज दुनियाभर के भारतीयों के दिलों को छुएगी।'



लौवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर का कहना है कि समारा तिजोरी इस पीढ़ी की बेहतरीन

अभिनेत्रियों में से एक होंगी।



साइकोलॉजिकल थ्रिलर 'दलदल' में भूमि पेडनेकर के साथ समारा तिजोरी और आदित्य रावल अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह सीरीज खोफनाक हत्याओं, ड्रग्स और एक खतरनाक पीछा-पकड़ की कहानी

समारा इस पीढ़ी की बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक होंगी : भूमि

दिखाती है। हाल ही में भूमि ने अपने दो-स्टारस के साथ काम करने के अनुभव साझा किए और बताया कि वे उनसे काफी प्रभावित और प्रेरित हुईं।

भूमि ने कहा, 'समारा तिजोरी इस पीढ़ी की बेहतरीन

अभिनेत्रियों में से एक होंगी। मैंने कई अच्छे कलाकारों के साथ काम किया है, लेकिन समारा और आदित्य वाकई खास हैं। यह उनके करियर को बस शुरूआत है। ऐसे किरदार निभाने के लिए ऐसे ही सच्चे कलाकारों की जरूरत होती है।

भूमि पेडनेकर ने कहा, 'मैंने उनके साथ किए हर सीन में देखा कि वे अपने काम को कितनी गंभीरता से लेते हैं और हर सीन के लिए खुद को कैसे तैयार करते हैं।'

'दलदल' में भूमि एक सख्त और निडर पुलिस अफसर डीसीपी रीटा फरेरा की भूमिका निभा रही हैं, जो एक खतरनाक सीरियल किलर आदित्य रावल की तलाश में हैं। वहीं समारा तिजोरी एक ईमानदार पत्रकार के किरदार में कहानी में नए मोड़ और रोमांच जोड़ती हैं। दर्शक जहाँ भूमि के दमदार रोल को लेकर उत्साहित हैं, वहीं समारा की परफॉर्मेंस को लेकर भी काफी उम्मीदें हैं।

21 जनवरी को 'दलदल' का ट्रेलर रिलीज किया गया, जिसमें बेरहमी से की गई हत्याओं और एक सीरियल किलर की डरावनी सोच को दिखाया गया है। यह सीरीज विश्व धर्मोत्साह की किताब भंडी बाजार पर आधारित है।



'जगद्धात्री' में तपस्या बनना मेरे लिए आसान नहीं : येशा हरसोरा

जी टीवी का शो 'जगद्धात्री' अपनी तेज रफतार कहानी और दमदार किरदारों की वजह से दर्शकों को लगातार बांधे हुए है। इन्हीं किरदारों में इन दिनों सबसे ज्यादा चर्चा में है तपस्या, जिसे येशा हरसोरा निभा रही हैं। कहानी में तपस्या के असली रंग अब माया देशमुख के सामने आ चुके हैं, और यहीं से उसका किरदार और भी दिलचस्प हो गया है। तपस्या कोई सीधी-सादी टीवी बहू नहीं है। वो बेबाक है, जल्दी चिढ़ जाती है, खुद को सही मानती है और बिना किसी झिझक के रूखा बोल देती है, खासकर अपनी बहन जगद्धात्री के साथ।

तपस्या के किरदार को निभाने को लेकर येशा मानती हैं कि ये रोल उनकी असल जिंदगी से बिल्कुल अलग है और अब तक के सबसे चुनौतीपूर्ण किरदारों में से एक है। येशा कहती हैं, 'मुझे सच में खुद को समझाना पड़ता है कि इतना रूखा बनूँ, तपस्या बहुत साफ और बत बत बदतमीज तरीके से अपनी बात

रखती है। मेरे लिए इतनी नेगेटिविटी दिखाना आसान नहीं होता, इसलिए हर सीन से पहले मैं खुद को तैयार करती हूँ, ताकि वो गुस्सा और एटीट्यूड सही तरह से सामने आ सके। दिलचस्प बात यह है कि परिवार में होने वाले हंगामों में तपस्या ही एक ऐसी हैं, जो सच बोलती हैं। उसका तरीका भले ही कड़वा हो, लेकिन उसकी बातों में दम होता है। उसका यही ग्रे एरिया उसे इतना असली और मजेदार बनाती है।

वो आगे कहती हैं, 'तपस्या बहुत उतावली है और यही वजह है कि वो बार-बार खुद को मुश्किल में डाल लेती है। इस किरदार को निभाने हुए मैंने ये भी सीखा है कि असल जिंदगी में शांत रहना कितना जरूरी है। हर बात पर तुरंत रिएक्ट करना अक्सर चीजों को बिगाड़ देता है। कई बार थोड़ा रुकना ही सही रास्ता दिखाता है। मुझे ऐसे किरदार पसंद हैं, जो मुझे एक कलाकार के तौर पर चुनौती दें। तपस्या मुझे जश्नवाती और दिमागी, दोनों तरह से आगे बढ़ने का मौका देती है।

दर्शकों से मिले प्यार के लिए बेहद आभारी हैं मुन्नवर

स्टैंड-अप कॉमेडियन और विंग बॉस फेम मुन्नवर फारूकी का कहना है कि वह दर्शकों से मिले प्यार और सपोर्ट के लिए बेहद आभारी हैं। आज अपना जन्मदिन मना रहे मुन्नवर फारूकी इस बार किसी ग्रैंड पार्टी के मूड में नहीं हैं। बड़े जश्न की जगह मुन्नवर ने फैसला किया है कि वह अपना खास दिन अपने बेहद करीबी दोस्तों और परिवार के साथ सादगी से मनाएंगे। लगातार व्यस्त और कामयाब रहे साल के बाद, मुन्नवर ने अपने टाइट शेड्यूल से थोड़ा ब्रेक लेकर अपनों के साथ इस नए साल की शुरुआत करने का मन बनाया है।

प्रोफेशनल फ्रंट पर बीता साल मुन्नवर के लिए काफी इवेंटफुल रहा।



उन्होंने फ्रस्ट कॉपी से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की, जिसे दर्शकों से जबरदस्त रिसॉन्स मिली और बाद में इसका दूसरा सीजन भी आया। एक्टिंग के साथ-साथ मुन्नवर ने अपनी पहली इंटरनेशनल स्टैंड-अप वर्ल्ड टूर

भी पूरी की, जहाँ उन्होंने कई देशों में परफॉर्म किया। इसके अलावा, वह पति पत्नी और पंगा, द सोसाइटी सीजन 1, हफ्ता वसूली जैसे पॉपुलर रियलिटी शोज़ को भी होस्ट करते नजर आए।

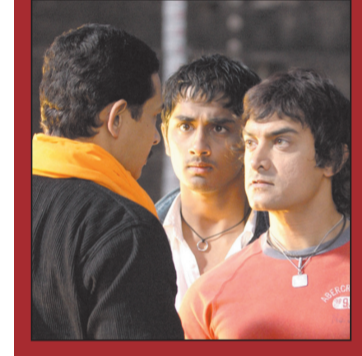
मुन्नवर फारूकी ने पिछले साल को याद करते हुए कहा कि वह अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर दर्शकों से मिले प्यार और सपोर्ट के लिए बेहद आभारी हैं। उन्होंने साझा किया, 'पिछला साल मेरे लिए बहुत खास और बेहद बिजरी रहा। फ्रस्ट कॉपी के साथ मेरा पहला एक्टिंग प्रोजेक्ट करना और उसके दोनों सीजन को इतना प्यार मिलना, फिर अपनी स्टैंड-अप कॉमेडी को पहली इंटरनेशनल वर्ल्ड टूर तक ले जाना, यह सब मेरे लिए सीख और ग्राथ से भरा रहा।

राकेश ओमप्रकाश मेहरा के निर्देशन में बनी फिल्म रंग दे बसंती के 20 साल पूरे

राकेश ओमप्रकाश मेहरा के निर्देशन में बनी फिल्म रंग दे बसंती के प्रदर्शन के 20 साल पूरे होने पर 30 जनवरी को फिल्म की टीम के लिए खास स्क्रीनिंग इवेंट आयोजित किया जायेगा। आमिर खान, आर माधवन, सिद्धार्थ सूर्यनारायण, सोहा अली खान, शर्मन जोशी, कुणाल कपूर, अनुपम खेर और अतुल कुलकर्णी जैसे दमदार कलाकारों से सजी यह फिल्म देशभर में एक बड़ा फेनोमेना बन गई थी। अपनी ताकतवर कहानी और बेखोफ आवाज के जरिए फिल्म ने न सिर्फ चर्चाएं छेड़ीं, बल्कि दर्शकों के दिलों में गहरी छाप भी छोड़ी।

26 जनवरी 2006 को रिलीज हुई रंग दे बसंती ने इस रिपब्लिक डे पर अपने थिएट्रिकल सफर के 20 साल पूरे किए हैं। इस खास मौके को सेलिब्रेट करने के लिए मेकर्स फिल्म की कास्ट और क्रू के लिए एक स्पेशल स्क्रीनिंग राख रहे हैं। 30 जनवरी को मुंबई में होने वाली इस स्क्रीनिंग में राकेश

फिल्म रंग दे बसंती के 20 साल पूरे



ओमप्रकाश मेहरा के साथ आमिर खान, सिद्धार्थ सूर्यनारायण, सोहा अली खान, कुणाल कपूर और अतुल कुलकर्णी भी शामिल होंगे।

साइंस एंड टेक्नोलॉजी



व्हाट्सएप में बड़ा प्राइवैसी बदलाव

दुनिया के सबसे लोकप्रिय मैसेजिंग मंच व्हाट्सएप में जल्द ही एक बड़ा और अहम बदलाव होने जा रहा है। यह बदलाव सीधे तौर पर उपयोगकर्ताओं की गोपनीयता से जुड़ा हुआ है। अब तक व्हाट्सएप पर बातचीत करने के लिए मोबाइल नंबर अनिवार्य था, लेकिन आने वाले नए अपडेट में उपयोगकर्ताओं को अपना फोन नंबर छुपाने की सुविधा मिलने वाली है।

व्हाट्सएप लंबे समय से मुफ्त सेवाएं देता आ रहा है और इसके बावजूद कंपनी समय-समय पर नए और उपयोगी फीचर जोड़ती रही है। हाल के वर्षों में गायब होने वाले संदेश, चैट लॉक, और कम्पैनिशन डिवाइस सपोर्ट जैसे फीचर पेश किए गए हैं। अब इसी कड़ी में कंपनी एक और बड़ा प्राइवैसी अपडेट लाने की तैयारी में है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, व्हाट्सएप जल्द ही यूजरनेम आधारित चैट प्रणाली शुरू करने जा रहा है। इस फीचर के आने के बाद उपयोगकर्ता अपने मोबाइल नंबर की जगह एक यूजर नाम बनाकर दूसरों से बातचीत कर सकेंगे। यानी अब किसी से चैट करने के लिए

फोन नंबर साझा करना जरूरी नहीं होगा। इस नए फीचर की जानकारी व्हाट्सएप के बीटा संस्करण में सामने आई है। प्रसिद्ध प्लेटफॉर्म डेव्लोपर्स को इनफो के अनुसार, कंपनी इस फीचर के इंटरफेस और नियमों को सक्रिय रूप से जांच कर रही है। फिलहाल यह सुविधा आम उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध नहीं है, लेकिन माना जा रहा है कि आने वाले अपडेट्स में इसे धीरे-धीरे सभी के लिए जारी किया जाएगा।

नया सिस्टम कुछ हद तक टेलीग्राम और इंस्टाग्राम जैसे मंचों की तरह काम करेगा। उपयोगकर्ता एक अलग पहचान यानी यूजरनेम बना पाएंगे। अगर किसी व्यक्ति के पास आपका मोबाइल नंबर नहीं है, तब भी वह आपके यूजरनेम के जरिये आपसे संपर्क कर सकेगा। यह सुविधा खासतौर पर ग्रुप चैट, ऑनलाइन समुदायों और नए लोगों से जुड़ने में बेहद उपयोगी साबित होगी। इस बदलाव से उन लोगों को राहत मिलेगी जो अपनी निजी जानकारी, खासकर मोबाइल नंबर, जानकारियों के साथ साझा नहीं करना चाहते।

अमेज़फिट की नई स्मार्ट घड़ी भारत में लॉन्च

टेक्नोलॉजी की दुनिया में अमेज़फिट ने भारतीय बाजार में अपनी नई स्मार्ट घड़ी एक्टिव मैक्स को लॉन्च कर दिया है। यह घड़ी आधुनिक डिजाइन, दमदार बैटरी और उन्नत स्वास्थ्य निगरानी सुविधाओं के साथ पेश की गई है। कंपनी ने इसे अपनी स्मार्ट घड़ी श्रृंखला के नवीनतम संस्करण के रूप में उतारा है।

अमेज़फिट एक्टिव मैक्स में गोल डायल दिया गया है, जिसमें 1.5 इंच का ऐमोलैड डिस्प्ले लगा है। यह डिस्प्ले 480x480 पिक्सल रेजोल्यूशन, 323 पिक्सल प्रति इंच घनत्व और 3000 निट्स तक की तेज चमक के साथ आता है, जिससे धूप में भी स्क्रीन साफ दिखाई देती है। डिस्प्ले पर मजबूत कांच और उंगलियों के निशान से बचाने वाली परत चढ़ी हुई है। इसका फ्रेम एल्युमिनियम का बना है, जो इसे प्रीमियम लुक देता है। यह स्मार्ट घड़ी 5 एटीएम वाटर रेजिस्टेंस जाएगा।

चमकता नेबुला निकला तारों की जन्मस्थली

के साथ आती है, यानी पानी में भी सुरक्षित रहती है। दाईं ओर दिए गए दो नेविगेशन बटन और ऊपर लगा रोटरी मोटर इसे इस्तेमाल में आसान बनाते हैं।

स्वास्थ्य के लिहाज से एक्टिव मैक्स को काफी उन्नत बनाया गया है। इसमें बायो ट्रेकर पीपीजी जैव मापक संसर दिया गया है, जो चौबीसों घंटे हृदय गति निगरानी, रक्त में ऑक्सीजन स्तर, तनाव स्तर और त्वचा के तापमान की जांच करता है। खास बात यह है कि इसमें नॉड की गुणवत्ता निगरानी सुविधा दी गई है, जो नॉड के चरण, दिन की झलपकी, नॉड का समय, सांसों की गुणवत्ता और हृदय गति में बदलाव के आधार पर नॉड अंक बताती है। इसके अलावा, घड़ी में एक्सलेरोमीटर, जायरोस्कोप, जियोमैग्नेटिक सेंसर, बैरोमेट्रिक ऊंचाई मापक, पर्यावरण प्रकाश सेंसर और तापमान सेंसर भी शामिल हैं। स्थान निर्धारण के लिए



इसमें पांच उपग्रह आधारित प्रणाली और ब्ल्यूटूथ 5.3 कनेक्टिविटी दी गई है।

अमेज़फिट एक्टिव मैक्स में 658 मिलीएमपीएच घंटे की बैटरी लागी है। कंपनी का दावा है कि सामान्य इस्तेमाल पर यह 25 दिन तक, ज्यादा इस्तेमाल पर 13 दिन, और लगातार जीपीएस चलाने पर 64 घंटे तक चल सकती है। भारत में इसकी कीमत 15,999 रुपये रखी गई है। यह घड़ी काले रंग में उपलब्ध है और ग्राहक इसे बिना ब्याज की किस्त योजना में भी खरीद सकते हैं। कुल मिलाकर, अमेज़फिट एक्टिव मैक्स फिटनेस और तकनीक का संतुलित संगम बनकर



स्पेक्ट्रोस्कोपिक एक्सप्लोरर यानी म्यूज उपकरण की मदद से इस तारे की पहली विस्तृत छवि प्राप्त की है।

अर्जेंटीना में मिला डायनासोर का नया वंश

अर्जेंटीना के उत्तरी पेटागोनिया क्षेत्र में जीवाश्म विज्ञानियों ने डायनासोर की दुनिया से जुड़ी एक बड़ी खोज की है। वैज्ञानिकों ने टाइटनोसॉर समूह के एक नए सॉरोपांड डायनासोर की नई प्रजाति और नया वंश खोज निकाला है, जिसे येनीन होसेई नाम दिया गया है। यह विशालकाय जीव आज से लगभग 8 करोड़ 30 लाख वर्ष पहले, यानी लेट क्रेटेशियस काल में पृथ्वी पर विचरण करता था।

यह खोज पेटागोनिया प्रांत के न्यूक्वेन बेसिन में स्थित सेरो ओबरो-ला इन्वर्नाडा नामक स्थान से हुई है। यहाँ बाजो दे ला कार्पा भू-रचना से प्राप्त जीवाश्म अवशेष इस क्षेत्र में मिले टाइटनोसॉरों में अब तक के सबसे पूर्ण कंकालों में से एक माने जा रहे हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार, येनीन होसेई का सिर

उसके विशाल शरीर के अनुपात में अपेक्षाकृत छोटा था। इसकी लंबाई लगभग 10 से 12 मीटर और वजन 8 से 10 टन के बीच आँका गया है। यह एक शाकाहारी, लंबी गर्दन वाला डायनासोर था, जो गोंडवाना महाद्वीप में फैले टाइटनोसॉरिया समूह का सदस्य था।

इस खोज का नेतृत्व करने वाले जीवाश्म विज्ञानी डॉक्टर लियोनार्डो फिलिप्पी के अनुसार, मिले हुए अवशेषों में छह गर्दन की कशेरुकाएँ, दस पीट की कशेरुकाएँ, पसलियाँ, त्रिकास्थि और पूँछ की पहली कशेरुका शामिल हैं। इसके अलावा, उसी स्थान पर कम से कम दो अन्य सॉरोपांड डायनासोरों के अवशेष भी मिले हैं, जिनमें एक किशोर और एक अलग, अभी अज्ञात वयस्क टाइटनोसॉर शामिल है। वैज्ञानिक विश्लेषण से यह भी

दूरी पर मौजूद है। इस नई जानकारी से यह भी सामने आया है कि वेला जूनियर पहले के अनुमानों से कहीं अधिक बड़ा, शक्तिशाली और तेजी से फैलने वाला सुपरनोवा अवशेष है। इससे यह हमारी आकाशगंगा के सबसे ऊँचावन सुपरनोवा अवशेषों में से एक बन जाता है। डॉक्टर सैफी-हर्ब ने समझाया कि एक तारा प्याज़ की तरह कई परतों से बना होता है। जब उसमें विस्फोट होता है, तो ये परतें अंतरिक्ष में फैल जाती हैं। अब वैज्ञानिकों ने पाया है कि वही परतें पास में जन्म ले रहे एक छोटे तारे के जेट में दिखाई दे रही हैं। यह खोज न केवल एक पुरानी खगोलीय पहली को सुलझाती है, बल्कि यह भी बताती है कि तारे कैसे बनते हैं।